

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--लण्ड 3--उपल्डेंड (ii)

PART II—Section 3—Subsection (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित 🐫

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 236]

नई दिल्ली, ब्हरपतिवार, मई 23, 1974/ज्येष्ठ 2, 1896

No. 236]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 23, 1974/JAISTHA 2, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ज़ी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed

as a separate compliation.

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 23rd May 1974

S.O. 320(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 385(E), dated the 29th May, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as the Mysore Spinning and Manufacturing Company Limited. Bangalore or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 301(E), dated the 28th May, 1973 the duration of the said Order was extended by a further period of one year upto and inclusive of the 28th May, 1974;

And whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended by a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order by a further period of one year.

[No. F. 28013/41/73-NTC]D. K. SAXENA, Jt. Secy.

## श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय

## ग्रादेश

नई दिल्ली, 23 मई, 1974

का॰ ग्रा॰ 320 (ग्र) — यतः केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के श्रौद्योगिक विकास मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश सं॰ का॰ ग्रा॰ 385 (ई) तारीख 29 मई, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रादेश कहा गया है) द्वारा घोषणा की थी कि उक्त श्रादेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी श्रादेशों या श्रन्य लिखतों (बैकों श्रौर वित्तीय मंस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से मम्बन्धित के सिवाय) का प्रवर्तन, जिसका मैसूर स्पीतिंग एण्ड मैनुफैक्चिरण कम्पनी लिमिटेड, बंगलौर नामक श्रौद्योगिक उपक्रम या ऐसे श्रौद्योगिक उपक्रम या एसे श्रौद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हो, एक वर्ष की श्रवधि पर्यन्त निलम्बित रहेगा श्रौर उक्त तारीख से पूर्व तद्यीन प्रोद्भूत या उद्भत होने वाले सभी श्रधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता श्रौर दायित्व उक्त श्रवधि पर्यन्त निलम्बत रहेंगे;

श्रीर यतः भारत सरकार के श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय के श्रातेण सं० का० श्रा० 301 (ई) तारीख 28 मई, 1973 द्वारा उक्त श्रादेण की श्रवधि 28 मई, 1974 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक विकास की श्रीर श्रवधि के लिए बढ़ाई गई थी ;

भीर यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भादेश की भवधि एक वर्ष के लिए भीर बढ़ाई जानी चाहिए ;

अतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) श्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च खंकी उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त श्राक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रादेश की श्रवधि एक वर्ष की और श्रवधि के लिए बढ़ाती है।

[सं॰ फा॰ 28013/41/73-एन॰ टी॰ सी॰] डी॰ के॰ सक्तेना, संयुक्त सन्तिष ।